Class - 7
Sub - Higher Hindi
Ch-6 - स्नेह पगी पाती (1)

Page No :
Date :

मौखिक

क) जन्मदिन की सुबह लेखिका को क्या मिला?
→ जन्मदिन की सुबह लेखिका को उसकी विदेश में रहने-वाली अपनी बिटिया का शुभकामनाओं वाला कार्ड ई-मेल बॉक्स में मिला।

ख) लेखिका ने 'अनमोल धरोहर' किसे कहा है?
→ लेखिका की बेटी ने अब तक जितने भी कार्ड अपनी माँ के जन्मदिन पर भेजे थे उसे लेखिका ने बड़े ही सहेजकर अलमारी में रखे हैं। उन्हें ही लेखक ने 'अनमोल धरोहर' कहा है।

ग) तार किन-किन अवसरों पर भेजे जाते थे और क्यों?
→ तार विवाह, पुत्र-जन्म, मृत्यु इत्यादि अवसरों पर भेजे जाते थे जिससे कि तत्काल सूचना दी जा सके।

घ) टेलीफ़ोन और मोबाइल क्रांति का क्या असर हुआ है?
→ टेलीफ़ोन और मोबाइल क्रांति का यह असर हुआ है कि इनके द्वारा लोगों को आवश्यक सूचना तुरंत मिल जाती है। तार अथवा पत्र की तरह मन में संदेह नहीं रहता कि पहुँचा या नहीं। इनकी मदद से हम विश्व के किसी भी कोने में रहने वाले अपने स्वजन से चौबीसों घंटे जुड़ सकते हैं।

Page No : Fortuna
Date :

लिखित

क) 'मैं तो दूर से ही उसका पत्र पहचान सकती हूँ'- लेखिका ऐसा क्यों कहती हैं?

⇒ लेखिका ऐसा इसलिए कहती हैं क्योंकि उसे अब तक याद है कि उसकी बेटी को हमेशा से ही पत्र लिखने का शौक रहा है। वह लंबे-लंबे रोचक ढंग से पत्र लिखा करती थी। उसके पत्र इतने लंबे हुआ करते थे कि ऊपर-नीचे हाशिए पर कुछ भी जगह नहीं छूटती थी। यही कारण था कि वह दूर से ही अपनी बिटिया का पत्र पहचान लेती थी।

ख) बिटिया द्वारा भेजे गए जन्मदिन कार्डों में पहले और अब लेखिका क्या अंतर महसूस करती है?

⇒ बिटिया द्वारा भेजे गए जन्मदिन कार्डों में पहले और अब लेखिका यह अंतर महसूस करती है कि पहले तो उसकी बेटी जन्मदिन का कार्ड ढूँढ़ने के लिए बाज़ार खंगाल डालती थी तथा छपी इबारत में जो कमी रह जाती वह स्वयं जोड़कर पूरा करती। परन्तु अब जन्मदिन की शुभकामनाओं वाला कार्ड ई-मेल बॉक्स खोलने पर ही मिलता था जिनमें वो प्यार और अपनेपन की कमी रहती थी।

ग) X

घ) पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए (Pg-49)

ङ) आशय स्पष्ट कीजिए

(3)

आए उन सबकी इबारत एक-सी रहती। बस प्रेषक का नाम ही मायने रखता। जब से सुना है कि तार का महकमा समेट दिया गया है लगता है, जैसे अपनी कोई बहुत प्रिय वस्तु ही खो गई है।

प्रश्न

क. 'तार' कब भेजा जाता था?

ख. मुबारकी तारों की क्या विशेषता थी?

ग. तार से आया लिफ़ाफ़ा खोलते समय दिल क्यों धड़कता रहता था?

घ. 'बहुत प्रिय वस्तु खो गई हो'— ऐसा किसके लिए कहा गया है?

सोचकर लिखिए—

पत्रों की तरह क्या हम ई-मेल या एस.एम.एस को धरोहर मानकर सहेज सकते हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

Values • knowing the importance of letters
• conservation of our heritage

भाषा से...

1. **इस पाठ में संस्कृत के कुछ उपसर्गों का प्रयोग किया गया है। आप भी इनसे दो-दो नए शब्द बनाइए—**

• prefix

उप + युक्त	= उपयुक्त	उपकार	उपनाम
वि + देश	= विदेश	विनाश	विनम्र
प्र + भाव	= भाव	प्रभात	प्रदेश
स्व + जन	= स्वजन	स्वतंत्र	स्वदेश

2. **दिए गए शब्दों में से तत्सम, विदेशी और देशज शब्द छाँटकर लिखिए—**

• तत्सम, विदेशी, देशज शब्द

क्षुधा, डाक, प्रिंट, मुस्तैदी, मुँडेर, स्क्रीन, पत्र, साँकल, प्रिय

तत्सम	विदेशी	देशज
क्षुधा	प्रिंट	साँकल
पत्र	स्क्रीन	मुस्तैदी
प्रिय	डाक	मुँडेर

X 3. **'पत्र' शब्द के योग से बननेवाले दस शब्द लिखिए—**

समाचार-पत्र ....

....

4. **'ने' का प्रयोग**

• 'ने' का प्रयोग

ने कर्ता कारक का चिह्न है। **ने** का प्रयोग वाक्य में कर्ता के साथ किया जाता है किंतु इसका प्रयोग कर्ता के साथ हमेशा नहीं होता। कई स्थितियों में **ने** शून्य होता है। **ने** कर्ता के साथ कब-कब आता है, इसके लिए कुछ नियम देखें—

क. **ने** हमेशा सकर्मक क्रिया के साथ भूतकाल में आता है।

जैसे — टेलीफ़ोन ने तार का स्थान ले लिया। मैंने ई-मेल बॉक्स खोला।

ख. यदि कर्ता के साथ **ने** आया हो और कर्म के साथ **को** हो, तो क्रिया हमेशा अन्य पुरुष, पुल्लिंग, एकवचन में होगी।

जैसे— पुलिस ने अपराधी को पकड़ा। राम ने रावण को मारा।

ग. यदि कर्ता के साथ **'ने'** आया हो और कर्म के साथ **'को'** नहीं हो, तो क्रिया कर्म के अनुसार होगी।

जैसे— ज्योत्सना ने पत्र लिखा। चिराग ने कविता लिखी।

ने का सही प्रयोग करते हुए पाँच वाक्य बनाइए—

.....

.....

.....

.....

.....

5. **दिए गए वाक्यों को पढ़िए—**

• निपात

क. पत्र बाँचने का काम प्रायः डाकिया **ही** कर दिया करता था।

ख. घर के अन्य सदस्य **भी** घेरे खड़े रहते।

इन वाक्यों में **ही** और **भी** के प्रयोग से कही गई बात का प्रभाव बढ़ गया है।
ये **निपात** हैं। तो, तक, मात्र, केवल, भर, ही आदि भी निपात हैं।

नीचे दिए गए वाक्यों में सही निपात भरकर वाक्य पूरे कीजिए—

क. कितना कुछ ....ही.... रह गया मन के भीतर।

ख. तार अथवा तारवाले देखे ....ही.... नहीं उन्होंने।

ग. किनारे पर छूट गई है स्नेह पगी पाती ....भी....।

घ. मेरे पास ..केवल.. एक पेन है।

ङ. अब ....तक.... सो रहे हो!

च. तुम ....तो.... कल आनेवाले थे।

• शब्द-युग्म

6. दिए गए शब्द-युग्मों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

कभी-कभी — .....

लंबे-लंबे — .....

धीरे-धीरे — .....

कैसा-कैसा — .....

जब-जब — .....

बदले-बदले — .....

सुझावित रचनात्मक गतिविधियाँ

• autobiography
• collage making
• article writing
• invitation letter
M.I. - linguistic
- musical

अपनी रुचि के अनुसार कोई एक गतिविधि चुनकर कीजिए—

1. चिट्ठी की कहानी आत्मकथा रूप में लिखिए।
2. संचार माध्यमों के सफ़र को कोलाज के रूप में दिखाइए।
3. 'पत्र मानव सभ्यता के विकास की कहानी कहते हैं'— लेख लिखिए।
4. अपने बड़े भाई की शादी में मित्रों को आमंत्रित करने हेतु एक निमंत्रण-पत्र बनाइए।

पाठ से आगे

1. लिफ़ाफ़े पर लिखे पते में पिन कोड की क्या भूमिका है— घर के बड़ों या शिक्षिका से बातचीत कर जानिए।
2. चिट्ठी पर अनेक गीत लिखे गए हैं— कुछ गीतों का संकलन कीजिए और गुनगुनाइए।
3. पत्र को चिट्ठी, लेख, खत, कागद, उत्तरम, जाबू, कडिद, पाती आदि कई नामों से पुकारा जाता है। इन भाषाओं के नाम इंटरनेट से पता कीजिए। यह भी पता कीजिए कि इनके अलावा पत्र के और क्या-क्या नाम हैं?